


AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

परीक्षा व प्रैक्टिकल 15 मई तक स्थगित

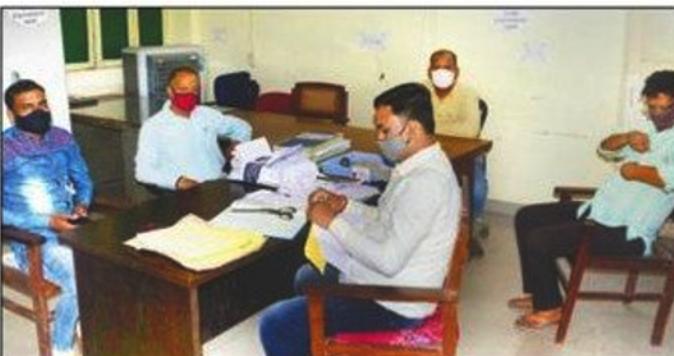
**कोरोना असर : शिक्षकों का
विवि आना अनिवार्य नहीं**
माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। शासन के निर्देश पर लखनऊ विश्वविद्यालय ने 15 मई तक अपने यहां सभी प्रकार की परीक्षा व प्रैक्टिकल स्थगित कर दिए हैं। वहीं, शिक्षकों का विवि में विभाग आना भी अनिवार्य नहीं किया गया है। वे घर से ऑनलाइन क्लास ले सकेंगे। कोई विद्यार्थी भी कैपस नहीं आएगा।

लगभग एक सप्ताह बाद विवि शुक्रवार को दोबारा खुला, लेकिन संक्रमण की दहशत के साथ। सिर्फ प्रशासनिक कार्यालय ही खुले।

विभाग बंद रहे और न शिक्षक आए न ही विद्यार्थी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह अपने कार्यालय में बैठे और काम निपटाए। हालांकि, कर्मचारियों की उपस्थिति मात्र 10% ही रही। हालांकि, ये भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते नहीं दिखे।

रजिस्ट्रार डॉ. सिंह ने आदेश जारी कर कहा कि सभी परीक्षाएं 15 मई तक स्थगित की जाती हैं। क्लास ऑनलाइन ही चलेंगी। विवि व सहयुक्त महाविद्यालयों में विद्यार्थी नहीं आएंगे। विवि में शिक्षकों की उपस्थिति नहीं होगी, पर सभी ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। कॉलेजों में शिक्षकों को लेकर प्राचार्य निर्णय लेंगे। विवि व कॉलेजों में 50% कर्मचारी रोस्टर अनुसार ही बुलाए जाएंगे। वाकी घर से काम करेंगे। साथ ही सैनिटाइजेशन आदि की बेहतर व्यवस्था करनी होगी।



लविवि में शुक्रवार को कार्यालय खोलकर काम करते कर्मचारी।

लखनऊ विवि खुला, लेकिन अधिकतर कॉलेज रहे बंद

लखनऊ। शासन के 50 फीसदी कर्मचारियों के साथ कार्यालय खोलने के निर्देश के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को कार्यालय खोलकर काम निपटाया, लेकिन अधिकतर कॉलेज बंद रहे या एक-दो कर्मचारियों के साथ ही कुछ घटों के लिए खुले। हालांकि सभी ने ऑनलाइन क्लास के संचालन की बात कही। लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ ही सहयुक्त महाविद्यालयों में भी काफी शिक्षक-कर्मचारी संक्रमित हुए हैं। ऐसे में एक सप्ताह के बाद भी कॉलेज प्रशासन अभी कार्यालय खोलने की स्थिति में नहीं हैं। प्राचार्यों का कहना है कि जरूरी काम निपटाने के लिए ही कार्यालय खोले जा रहे हैं। वाकी कोई जरूरत नहीं है। क्लास ऑनलाइन चल रही है। आज नेशनल पीजी कॉलेज, विद्यांत पीजी कॉलेज समेत कई कॉलेज बंद रहे। केकेसी की प्रिंसिपल डॉ. मीता शाह ने बताया कि सुबह पहले कार्यालय खोलकर सैनिटाइजेशन कराया गया है। उसके बाद कुछ कर्मचारियों को बुलाकर ही जरूरी काम निपटाए और फिर कार्यालय बंद कर दिया गया है। विद्यांत पीजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. धर्म कौर ने बताया कि अगर कोई जरूरी काम होता है तो ही कार्यालय खोला जाता है। फिलहाल कॉलेज न खोलने का निर्णय लिया गया है। क्लास ऑनलाइन चल रही हैं। कालीचरण पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह ने कहा कि बहुत कम कर्मचारियों को बुलाकर जरूरी काम निपटारित किए गए। वाकी सिर्फ माली आदि ही आ रहे हैं। स्टूडेंट और शिक्षक आने नहीं हैं तो कॉलेज में ऐसा कोई काम भी नहीं है। कमोबेश यही हाल अन्य कॉलेजों के भी रहे हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

दर्शनशास्त्र विभाग के हेड बने प्रो. राकेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रो. केसी पांडेय के आकस्मिक निधन के बाद प्रो. राकेश चंद्रा को दर्शनशास्त्र विभाग का हेड बनाया गया है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार उनकी नियुक्ति तीन साल के लिए की गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

डीन आदर्स को संस्कृत विभाग का चार्ज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में डीन आदर्स प्रो. बृजेश शुक्ला के आकस्मिक निधन के बाद खाली संस्कृत व प्राकृत भाषा के विभागाध्यक्ष का चार्ज भी डीन आदर्स को दे दिया गया है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार उनकी नियुक्ति तीन साल के लिए की गई है।

एलयू और संबद्ध कॉलेजों में 15 मई तक परीक्षाएं टलीं

■ एनबीटी, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों में 15 मई तक परीक्षाएं टाली गई गई हैं। विवि प्रशासन ने शुक्रवार को जारी निर्देश में कहा कि कौरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सेमेस्टर और प्रैक्टिकल परीक्षाएं फिलहाल संभव नहीं हैं। इस दौरान विद्यार्थियों के परिसर में दखिल होने पर पूरी तरह से पावंडी रहेगी, हालांकि, 50 फीसदी कर्मियों को वैकल्पिक नीति के तहत बुलाया जा सकेगा।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।



नहीं है। इस दौरान विद्यार्थियों के परिसर में दखिल होने पर पूरी तरह से पावंडी रहेगी, हालांकि, 50 फीसदी कर्मियों को वैकल्पिक नीति के तहत बुलाया जा सकेगा।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

लविवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, लविवि और महाविद्यालयों में पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। विवि में शिक्षकों का आना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय में शिक्षकों को बुलाने का फैसला वहां के प्राचार्य पर छोड़ा गया है।

NBT PAGE 3